Prabhat Khabar (Date: - 10/12/2019)

बिहार में निवेश का माहौल बेहतर

- मुंबई में उद्योग मंत्री ने किया रोड शो

संवाददाता ▷ पटना

बिहार में निवेश आकर्षित करने के लिए सोमवार को मुंबई में रोड शो आयोजित किया गया. रोड शो के दौरान उद्योग मंत्री श्याम रजक ने बिहार में आधारभूत संरचना के शानदार विकास, अच्छी विधि–व्यवस्था और बिजली के भरपूर उपलब्धता के बारे में निवेशकों को बताया. निवेशकों से अनुरोध किया कि नये निवेश एवं स्टार्टअप के लिए बिहार में

मुंबई में निवेशकों संबोधित करते मंत्री.

बेहतर माहौल है. उद्योग विभाग एवं सीआइआइ के संयुक्त तत्वावधान में रोड शो का आयोजन किया जा रहा है.रोड शो में उद्योग मंत्री के अलावा सचिव नर्मदेश्वर लाल, निवेश आयुक्त आरए श्रीवास्तव, तकनीकी निदेशक रवींद्र प्रसाद, उपस्थित रहे. रोड शो के बाद में बैठक में बिहार के प्राथमिकता वाले सेक्टरों जैसे– फूड प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल, इन्मेफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, हेल्थ केयर सेक्टर आदि में निवेश करने के लिए अनुरोध किया. उद्योग मंत्री ने निवेशकों को बताया कि बिहार में फूड प्रोसेसिंग के लिए मखाना, मेज, लीची व अन्य कृषि उत्पाद उपलब्ध हैं.निवेशकों को वहां से अतर्राष्ट्रीय बाजार मिल सकता है. उल्लेखनीय है कि मुंबई रोड शो में 90 संगठनों के उद्योगपतियों ने भाग लिया.

Prabhat Khabar (Date: - 10/12/2019)

सैर-सपाटा

वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में पर्यटन सीजन शुरू, आप भी उठा सकते हैं लुत्फ

वीटीआर में 86 जानवरों और 145 पक्षियों की प्रजातियों का करें दीदार

लाइफ रिपोर्टर @ पटना

राज्य के इकलौते और शानदार वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) में 86 तरह के जानवर और पक्षियों की 145 प्रजातियां मौजूद हैं. यहां हाल ही में नयी प्रजाति का सांप पाया गया है, इसका नाम रेड कोरल खूकती स्नेक है. यहां से पहले यह सांप मालाबार ओडिशा और दुधवा में पाया जाता था. यहां पाया जाने वाला वाइल्ड डॉग केवल उत्तर भारत में कार्बेट, राजाजी, पीलीभीत और दुधवा नेशनल पार्क में ही मौजूद है. वन्यजीवों के आंकड़ों को सुरक्षित रखने के लिए डब्लूआइआइ द्वारा बनाये गये एम स्ट्राइप एप में वाइल्ड डॉग का नाम नहीं रखा गया था. इस पर वीटीआर के अधिकारियों ने डब्लूआइआइ को शिकायत भेज कर इसमें वाइल्ड डॉग का नाम दर्ज करवाया है.

15 जून तक चलेगा पर्यटन सीजन

इस साल वीटीआर का पर्यटन सीजन 15 नवंबर से शुरू हो गया है. उपमुख्यमंत्री सह पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री सुशील कुमार मोदी ने रविवार को वीटीआर में इसकी औपचारिक शुरुआत की. यह सीजन अगले साल मॉनसून के पहले या करीब 15 जून तक चालू रहेगा. इस दौरान यहां पर्यटकों के रहने, खाने और घूमने की अच्छी व्यवस्था की गयी है. यहां हर साल पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है. उनकी सुविधा के लिए ऑनलाइन बुकिंग व्यवस्था विकसित की गयी है. वीटीआर की वेबसाइट पर इसकी पूरी जानकारी मौजूद है. करीब 900 वर्ग किलोमीटर इलाके में वीटीआर को अलग-अलग भागों में बांटा गया है. इसमें खासकर मांगुराहा और गोवर्धना भी शामिल हैं. वीटीआर मुख्य कैंपस में एक साथ करीब 50 लोगों के रुकने की बेहतरीन व्यवस्था की गयी है. साथ ही उनके खाने के लिए कैंटीन की सुविधा भी उपलब्ध है. 2018 के आंकड़ों के अनुसार वीटीआर में 31 बाघ और उनके 10 बच्चे मौजूद हैं. यह क्षेत्र धार्मिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है. यहां से कुछ ही दूरी पर नेपाल के इलाके में महर्षि वाल्मीकि आश्रम है. प्रचलित है कि महर्षि वाल्मीकि ने वहीं रामायण की रचना की थी. साथ ही भगवान राम के पुत्र लव और कुश का जन्म भी वहीं हुआ.

300 रुपये में घूमें जंगल सफारी, 1500 में जिप्सी की सुविधा

जंगल सफारी के लिए तीन सौ रुपये प्रति व्यक्ति घूमने की व्यवस्था की गयी है. इसके लिए 12 सीटों एक कैंटर मंगाया गया है साथ ही 15 सौ रुपया में छोटी जिप्सी से जंगल सफारी का आनंद लिया जा सकता है. यहां बाघ, तेंदुआ, जंगली बिल्ली, लेपर्ड, कैट, सीवेट, चीतल, सांभर, नीलगाय, बार्किंग डियर, हॉग डियर, गौर, घड़ियाल, मगरमच्छ, किंग कोबरा सहित सांप की अन्य प्रजातियां और तरह-तरह के पक्षी मुख्य रूप से मौजूद है. वीटीआर में बेहतरीन प्राकृतिक छटा देखी जा सकती है. यहां से खड़े होकर नेपाल की तरफ सोमेश्वर पहाड़ की बर्फीली चोटियां इन दिनों देखी जा सकती है वही गंडक में बोटिंग की व्यवस्था की गयी है, जंगल का आनंद भी उठाया जा सकता है.

राजगीर के तर्ज पर होगा कन्वेंशन सेंटर

वाल्मीकी टाइगर रिजर्व वीटीआर में बहुत जल्द राजगीर के तर्ज पर कन्वेंशन सेंटर खुलेगा इसमें पांच सौ से हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी. बच्चों में वन्य जीव- जंतुओं की जानकारी देने के लिए इंटरप्रिटेशन सेंटर खुलेगा. वीटीआर आने -जाने के लिए सड़कों को ठीक करने का काम जल्दी शुरू होगा. वहीं, यहां मोबाइल कनेक्टिविटी की सुविधा बढ़ाने के भी उपाय किये जा रहे है. यह जानकारी उपमुख्यमंत्री सह पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री सुशील कुमार मोदी ने दी. उन्होंने पटना से वीटीआर जाने और लौटने के लिए दो दिनों के विशेष पैकेज की शुरुआत 14 दिसंबर से करने की घोषणा की. उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि मोबाइल कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए पिछले गुरुवार को उन्होंने बीएसएनएल के सीजीएम से बातचीत की है. अन्य मोबाइल नेटवर्क सुविधा की व्यवस्था के प्रयास जारी है. उन्होंने बताया कि वीटीआर इलाके के रामपुर मोड़ से मदनपुर और मदनपुर से दिल्ली कैप रोड में परेशानी थी. दोनों सड़कों का टेंडर हो चुका है, इसके बनाने की प्रक्रिया अगले एक महीने में शुरू हो जायेगी. वीटीआर के साथ राज्य के अन्य पर्यटन स्थलों का भी विकास किए जाने की योजना है. इसमें जमुई जिले का भीम बांध व कैमूर जिले के मुंडेश्वरी सहित स्थान, करकट गढ़ सहित नवादा जिले का ककोलत शामिल है. ककोलत में एस्केलेटर लगाये जा रहे है. उन्होंने कहा कि बिहार के सुदूर इलाके को भारत के बेहतर पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जायेगा.

Prabhat Khabar (Date: - 10/12/2019)

सरस मेले में हर दिन बढ़ रही भीड़, उद्यमियों में दिख रहा उत्साह

लाइफ रिपोर्टर @ पटना

गांधी मैदान में आयोजित सरस मेले में हर दिन लोगों की भीड़ बढ़ रही है. मेला के प्रति लोगों का क्रेज इतना है कि प्रति दिन खरीद-बिक्री का व्यापार भी काफी ज्यादा है, जो अब तक का रिकॉर्ड तोड़ रहा है. ऐसे में मेले में शामिल हुए सभी उद्यमियों के चेहरे पर खासा उत्साह दिख रहा है. आठ दिसंबर तक लगभग 3 करोड़ 23 लाख रुपये के उत्पादों और व्यंजनों की खरीद-बिक्री हुई है. मेले में सबसे अधिक बांस के उत्पाद, सहारनपुर के फर्नीचर, क्रोशिया आर्ट के उत्पाद, अचार-पापड़, टेराकोटा, कालीन, बचपन के खेल के सामान लट्टू, घिरनई, गुरदेल, माउथ आर्गन, पंजाबी जूतिया-चप्पलों की खरीदारी हो रही है.

मेला परिसर में शशि फाउंडेशन द्वारा स्वच्छता, जल जीवन हरियाली एवं बाल विवाह जैसी कुप्रथा को लेकर नाटक की प्रस्तुति की गयी. इसके निर्देशक हौबिंस हैं.

मेले में खरीदारी करतीं महिलाएं.

मेले में चलाया जा रहा जागरूकता अभियान

सोमवार को सेमिनार हॉल में जीविका के तत्वावधान में उद्यमिता संवाद के तहत उद्योग आधार नंबर एवं मुद्रा योजना की उपयोगिता विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया. इस कार्यक्रम में दर्शक के रूप में मौजूद ग्रामीण लघु उद्यमी महिलाओं को उद्यम को एक व्यावसायिक इकाई बनाने, मुद्रा योजना की आवश्यकता एवं उपयोगिता को लेकर देवेश कुमार, प्रबंधक, नॉन फार्म, जीविका ने संवाद किया साथ ही राज्य स्वास्थ्य समिति द्वारा अनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम और मिशन इंद्रधनुष के प्रति दर्शकों को जागरूक किया गया. यहां मौजूद लोगों को संपूर्ण टीकाकरण की उपयोगिता और फायदे बताये गये. इस दौरान लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत खुले में शौच से मुक्ति के स्थायित्व के लिए क्षमता वर्धन और सामुदायिक लामबंदी की चुनौतियां एवं रणनीति पर परिचर्चा का आयोजन किया गया.

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की हुई प्रस्तुति

सरस मेला के मुख्य सांस्कृतिक मंच पर सांस्कृतिक संध्या में पटना की रंग संस्था कला संग्रह के कलाकारों ने प्रस्तुति दी. इसके बाद गायक सत्यप्रकाश गुप्ता एवं गायिका गुड़िया गिरी ने अपनी शानदार प्रस्तुति दी. इसमें बिहार लोक गान सैयां मिले..., गवना कइल ए हरी जी.... हमार छुट्टी लेहल माटी में मिला देहल जैसे कई गानों को सुना कर मौजूद श्रोताओं का मन मोह लिया. यहां तबला पर राजन, नाल पर विश्वनाथ पांडेय, ऑक्टो पैड पर अशोक पांडेय, की-बोर्ड पर मनु रफी ने संगत दी.

Hindustan (Date: - 10/12/2019)

कोसी नदी में बड़ी संख्या में है डॉल्फिन, शिकार करने पर फौरन सूचना देने के लिए ग्रामीणों को किया जाएगा जागरूक

डॉल्फिन सहित अन्य जलीय जीवों का होगा संरक्षण

हिन्दुस्तान
एक्सक्लूसिव

सहरसा | रंजीत

कोसी नदी में मौजूद डॉल्फिन सहित अन्य जलीय जीवों का संरक्षण/पुनर्वास कर उन्हें सुरक्षित रखा जाएगा। उनका शिकार कोई नहीं करें इसके लिए संरक्षण/पुनर्वास पर 25 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। वन प्रमंडल सहरसा ने डॉल्फिन सहित अन्य जलीय जीवों के संरक्षण/पुनर्वास के लिए प्रस्ताव तैयार कर मुख्य वन प्राणी प्रतिपालक बिहार को भेजा है। आठ दिसंबर को भेजे गए प्रस्ताव में संरक्षण के लिए 25 लाख राशि की डिमांड की गई है। वन प्रमंडल पदाधिकारी शशिभूषण झा ने बताया कि प्रस्ताव को स्वीकृति मिलने पर कोसी नदी में सहरसा-खगड़िया की सीमा फनगो हाल्ट पास से सुपौल जिले के दौरा घाट तक नदी में ट्रेसर को बहाल करते एक सीटेड मोटरवोट से पेट्रोलिंग कराने की योजना है। कोसी नदी के आसपास के अधिक संख्या वाले पांच गांवों को चिह्नित करते वृत्त चित्र, होर्डिंग, सेमिनार, नुक्कड़ नाटक के जरिए जागरूकता कार्यक्रम चलाई जाएगी। डॉल्फिन का शिकार होता देख फौरन सूचना देने के लिए ग्रामीणों को जागरूक किया जाएगा। ग्रामीणों को डॉल्फिन के संरक्षण से जुड़ा रखने के लिए पांच चबूतरे का निर्माण कराया जाएगा। पांच चापाकल लगाया जाएगा।

25 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे संरक्षण पुनर्वास पर

50 किमी कोसी नदी में पेट्रोलिंग कराने के लिए प्रस्ताव भेजा

गांगेय प्रजाति की डॉल्फिन पाई गई थी

कोसी नदी में सर्वेक्षण के दौरान गांगेय प्रजाति की डॉल्फिन 48 की संख्या में पाई गई थी। वन प्रमंडल पदाधिकारी ने कहा कि फनगो हॉल्ट के पास 12 गांवों के लोकेशन में दो किमी की दूरी पर ही 29 छोटे-बड़े डॉल्फिन पाए गए थे। सौ से अधिक छोटे-बड़े डॉल्फिन होने का अनुमान लगाया जा रहा है। चार प्रजाति का कछुआ देखा गया।

मगरमच्छ व घड़ियाल के होने की आहट

सर्वेक्षण के दौरान मगरमच्छ और घड़ियाल की आहट सुनाई दी थी। डीएफओ ने कहा कि ये मिले तो इसका भी संरक्षण किया जाएगा।

99 प्रजातियों के पक्षियों का है बसेरा

99 प्रजाति की पक्षियों का कोसी नदी का तट बसेरा है। हंस, गरुड़, काली चील, वाटर कॉक, घोंघिल, रिवर लैपलिंग, यूरेशियन विगेन, एशियन ओपेनविल, यूरेशियन दलदल हैरियर, रेड वुलवुल सहित अन्य पक्षियों के कलरव से यह जगह गुंजयमान रहता है।

Hindustan (Date: - 10/12/2019)

दो पहिया-तीन पहिया वाहनों की लंबाई-चौड़ाई तय

नई दिल्ली | अरविंद सिंह

केंद्र सरकार ने दोपहिया, तीन पहिया, ई-रिक्शा जैसे वाहनों की लंबाई-चौड़ाई व ऊंचाई के नए मानक तैयार किए हैं। निर्माता कंपनियों को बाइक, स्कूटी, थ्री व्हीलर, ई-रिक्शा की साइज तय मानक के अनुसार रखनी होगी।

अब फैंसी वाहनों के नाम पर दो पहिया-तीन पहिया वाहनों की लंबाई, चौड़ाई, ऊंचाई नहीं बढ़ाई जा सकेगी। सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय ने मोटर वाहन अधिनियम 1989 के खंड 93 में बदलाव के प्रारूप को नौ दिसंबर को सभी हितधारों के पास सुझाव के लिए भेजा है। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नए प्रारूप में वाहनों के आकार में समानता लाने पर जोर है। ऐसा देखा गया है कि कई बार ऑटो कंपनियां वाहनों को आकर्षक बनाने के लिए आकार का ध्यान नहीं रखते हैं।

हादसों का बड़ा कारण : ओवरसाइज वाहन सड़क हादसों का प्रमुख कारण हैं। कई बार बाइक में पीछे की सीट ज्यादा ऊंची कर दी जाती है। कुछ बाइक की लंबाई या ऊंचाई बढ़ाने से वाहनों का गुरुत्व केंद्र प्रभावित होता है और इससे सड़क हादसे का खतरा बढ़ जाता है।

ऐसा होगा नया मानक : दोपहिया वाहन (एल-1 श्रेणी) की चौड़ाई 1 मीटर, लंबाई 4 मीटर व ऊंचाई 2.5 मीटर तय की गई है। वहीं दोपहिया वाहन (एल-2 श्रेणी) की चौड़ाई 2 मीटर तय की गई है। इसका शेष साइज एल-1 जैसा होगा। मंत्रालय ने स्कूटर, स्कूटी, तीन पहिया वाहन, बैटरी चलित ई-रिक्शा जैसे वाहनों के आकार के मानक भी तय किए हैं।